

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में प्रो. एस के पांडा, फेलो- आईईईई द्वारा ग्रीन टेक्नोलोजी में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स की भूमिका पर विशिष्ट व्याख्यान

आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी स्टूडेंट चैप्टर-जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली ने 6 मई, 2022 को "सिंगल फेज़ इन्वर्ट कंट्रोल टेकनीक्स फॉर इंटरफेसिंग रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सेस" विषय पर प्रो एस के पांडा द्वारा ग्रीन टेक्नोलोजी में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स की भूमिका पर एक ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया।

प्रो. पांडा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन मानव जाति के लिए सबसे बड़ा खतरा है। कार्बन उत्सर्जन को खत्म करने के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करके और ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों पर स्विच करके इसका मुकाबला किया जा सकता है।

प्रो. पांडा ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत में बिजली उत्पादन के लिए अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने की एक बड़ी क्षमता है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), भारत सरकार की तकनीकी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सौर ऊर्जा से 750 गीगावाट बिजली पैदा करने की क्षमता है।

प्रो. एस के पांडा आईटी-बीएचयू, भारत से एम.टेक स्नातक हैं और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी यूके से पीएच.डी. हैं। वह आईईईई के फेलो हैं और सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और ऊर्जा और ऊर्जा अनुसंधान क्षेत्र के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

व्याख्यान में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ये प्रतिभागी भारत और विदेशों के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से थे।

IEEE JMI स्टूडेंट ब्रांच और PELS छात्र चैप्टर के सदस्यों ने इस कार्यक्रम की योजना बनाई और इसका आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री मरियम उस्मान ने किया। श्री अनिरुद्ध, सुश्री सारा श्री सरफराज और टीम के अन्य सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए काम किया।

इससे पहले डॉ. अहमेशमुल हक- PELS स्टूडेंट चैप्टर के फैकल्टी एडवाइजर और ब्रांच काउंसलर IEEE-JMI ने स्पीकर का परिचय दिया।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुन्ना खान ने वक्ता और अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित करने के लिए आईईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी स्टूडेंट चैप्टर-जेएमआई के प्रयासों की सराहना की।

प्रो. पांडा ने भी प्रतिभागियों से बातचीत की और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए।